वशि्व हीमोफीलयिा दविस

प्रलिमि्स के लयि:

वशि्व हीमोफीलयिा दविस, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफीलयिा।

मेन्स के लयि:

हीमोफीलयिा और इसका उपचार, स्वास्थ्य।

चर्चा में क्यों?

वशि्व हीमोफीलयिा दविस (World Haemophilia day) प्रत्येक वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जाता है, जसिका उद्देश्य हीमोफीलयिा और अन्य वंशानुगत रक्तस्राव वकिारों के बारे में लोगों को जागरूक करना है।

- **वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफीलयिा (WHF)** के संस्थापक **फ्रैंक श्नाबेल (Frank Schnabel)** के सम्मान में यह दविस मनाया जाता है।
- इस वर्ष (2022) की थीम **"सभी के लयि पहुँच: साझेदारी: नीतगित प्रगति, अपनी सरकार को शामलि करना, वरिासत में मलि रक्तस्राव वकिारों को राष्ट्रीय नीतमिें एकीकृत करना"** है।

हीमोफीलयिा क्या है?

- **परचिय:**
  - हीमोफीलयिा एक आनुवंशकि रोग है, जसिमें **रक्त के थक्के बनने की क्षमता गंभीर रूप से कम हो जाती है, जसिसे कमिामूली चोट में भी गंभीर रक्तस्राव हो सकता** है।
    - हीमोफीलयिा जीन में उत्परविर्तन या परविर्तन के कारण होता है, जो रक्त का थक्का बनाने के लयि आवश्यक क्लॉटगि फैक्टर प्रोटीन बनाने के लयि नरि्देश प्रदान करता है।
    - यह परविर्तन या उत्परविर्तन **क्लॉटगि प्रोटीन** को ठीक से कार्य करने या पूरी तरह समाप्त होने से रोक सकता है। ये जीन **X गुणसूत्र** पर स्थति होते हैं।
  - एक बच्चे के लगि का नरि्धारण करने के तरीके में शामलि आनुवंशकिी के कारण, महलिाओं की तुलना में **पुरुष हीमोफीलयिा के प्रतअिधकि संवेदनशील** होते हैं।
  - यह काफी दुर्लभ बीमारी है, लगभग 10,000 लोगों में से 1 व्यक्तइिससे प्रभावति होता है।
- **प्रकार**
  - **हीमोफीलयिा A** हीमोफीलयिा का सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें रक्त में **थक्के बनने के लयि आवश्यक 'फैक्टर 8' की कमी** हो जाती है।
  - **हीमोफीलयिा B बेहद कम सामान्य** है। हीमोफीलयिा B में थक्के बनने के लयि **आवश्यक फैक्टर-9 की कमी** हो जाती है।
    - हीमोफीलयिा A, लगभग 5,000 में से एक में 1 व्यक्तमिें होता है, जबकहिीमोफीलयिा B इससे भी दुर्लभ है जो कलिगभग 20,000 में से 1 व्यक्तको होता है।
- **लक्षण:**
  - बड़े घाव।
  - माँसपेशयिों और जोड़ों में रक्तस्राव।
  - सहज रक्तस्राव (बनिा कसिी स्पष्ट कारण के शरीर के अंदर अचानक रक्तस्राव)।
  - चोट लगने, दाँत नकिालने या सर्जरी कराने के बाद लंबे समय तक रक्तस्राव।
- **उपचार:**
  - हीमोफीलयिा का मुख्य उपचार **रप्लिेसमेंट थेरेपी** है।
  - रक्त का थक्का जमने के लयि उत्तरदायी कारक यानी क्लॉटगि फैक्टर VIII (हीमोफीलयिा A के लयि) या क्लॉटगि फैक्टर IX (हीमोफीलयिा B के लयि) के सांद्रण को धीरे-धीरे ड्रपि के माध्यम से नसों में पहुँचाया जाता है या इसे नस में इंजेक्ट कयिा जाता है। यह क्लॉटगि फैक्टर को बदलने में मदद करते हैं जो यह तो हैं ही नहीं या कम है।

भारत में हीमोफीलिया का परिदृश्य:

- वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफीलिया के वार्षिक वैश्विक सर्वेक्षण 2017 के अनुसार, 2017 में दुनिया भर में 1.96 लाख से अधिक लोग हीमोफीलिया से पीड़ित थे।
- देश-वार आँकड़ों के अनुसार भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक लगभग 19,000 मामलें हैं।
- अनुमान है कि भारत में लगभग 80% मामले अपंजीकृत हो जाते हैं, जिससे हीमोफीलिया मामलों वास्तविक संख्या 2 लाख के करीब हो सकती है।

REGISTERED CASES

India	18,966
US	17,750
China	14,390
Brazil	12,432
France	7,524
World	1,96,706

Source: Annual Global Survey 2017 (released October 2018), World Federation of Haemophilia

//

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफीलिया (WFH)

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जिसे 1963 में स्थापित किया गया था।
- यह 140 देशों में रोगी संगठनों का एक वैश्विक नेटवर्क है और इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन से आधिकारिक मान्यता प्राप्त है।
- इसका मिशन दुनिया भर में वंशानुगत रक्तस्राव विकारों वाले लोगों की देखभाल में सुधार और नियंत्रित करना है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-haemophilia-day